नईदुनिया

आव्रजन और अपराध पर चर्चा के लिए अमेरिकी गृह सुरक्षा सचिव नोएम पहुंचीं कोलंबिया

अमेरिकी गृह सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम आव्रजन, अपराध और निर्वासन पर चर्चा करने के लिए तीन लैटिन अमेरिकी देशों की यात्रा के तहत गुरुवार को कोलंबिया पहुंचीं।

बोगोटा

यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब ट्रंप प्रशासन और कोलंबियाई सरकार के बीच रिश्तों में तल्खी देखी जा रही है। जनवरी में अमेरिका द्वारा कोलंबिया में निर्वासित प्रवासियों को भेजने को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ था।

नोएम ने कोलंबिया की विदेश मंत्री लॉरा साराबिया से मुलाकात की और प्रवासन व अपराध के मुद्दों पर स्पष्ट और ईमानदारीपूर्ण बातचीत की। नोएम ने कहा, हम अपने कोलंबियाई भागीदारों के साथ सीमा सुरक्षा और आपराधिक कानूनों के प्रवर्तन को मज़बूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

वहीं, साराबिया ने प्रवासियों के मानवाधिकारों और गरिमा की रक्षा पर ज़ोर दिया। दोनों देशों ने कानून प्रवर्तन के लिए बायोमेट्रिक डेटा साझा करने के एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए।

दक्षिणपंथी पा रहे प्रशंसा

नोएम की यह यात्रा एल साल्वाडोर के उनके बुधवार दौरे से भिन्न रही, जहाँ उन्होंने राष्ट्रपति नायब बुकेले से मुलाकात की। बुकेले अपने कड़े आपराधिक रवैये के कारण अमेरिका में दक्षिणपंथी प्रशंसा पा रहे हैं।

नोएम ने वहां विशाल जेल परिसर का भी दौरा किया, जहां सैकड़ों वेनेजुएलाई नागरिक बंद हैं। उन पर ट्रेन दे अरागुआ गिरोह से जुड़ाव का आरोप है, हालांकि ट्रंप प्रशासन द्वारा अब तक पुख्ता सबूत पेश नहीं किए गए हैं। ये निर्वासन मामले अदालत में चुनौती का सामना कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

व्हाइट हाउस में ट्रंप ने रखी इफ्तार पार्टी, मुस्लिम नेताओं को निमंत्रण नहीं मिलने पर विवाद

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में अपने कार्यकाल की पहली इफ्तार पार्टी की मेजबानी की, लेकिन यह आयोजन विवादों में घिर गया है। अमेरिकी मुस्लिम समुदाय इस इफ्तार पार्टी से नाखुश नजर आए हैं, क्योंकि इस बार मुस्लिम सांसदों और समुदाय से जुड़े नेताओं को आमंत्रित नहीं किया गया। इफ्तार पार्टी के अवसर पर ट्रंप ने कहा, मैं आप सभी का व्हाइट हाउस के इफ्तार डिनर में स्वागत करता हूं। रमजान इस्लाम का पवित्र महीना है और हम इस अवसर का सम्मान करते हैं। उन्होंने मुस्लिम समुदाय के योगदान की सराहना करते हुए 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में उनके समर्थन के लिए आभार भी जताया। यह अलग बाात है कि व्हाइट हाउस की इस इफ्तार पार्टी में अमेरिकी मुस्लिम संगठनों, सांसदों और समुदायिक नेताओं को निमंत्रण नहीं भेजा गया। इसके बजाय, मुस्लिम देशों के विदेशी राजदूतों को आमंत्रित किया गया। इस फैसले की आलोचना करते हुए कई मुस्लिम सिविल राइट्स संगठनों ने नॉट ट्रंप इफ्तार के नाम से विरोध प्रदर्शन किया। एक प्रदर्शनकारी ने कहा, ट्रंप एक तरफ मुस्लिम बैन लगाते हैं और दूसरी तरफ इफ्तार पार्टी रखते हैं - यह पाखंड है। बिल क्लिंटन ने शुरु की थी इफ्तार पार्टी गौरतलब है कि व्हाइट हाउस में इफ्तार डिनर की परंपरा 1996 में तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने शुरू की थी, जिसे जॉर्ज बुश और बराक ओबामा ने भी जारी रखा। 2017 में ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान इस परंपरा को रद्द कर दिया था, और अब इस बार आयोजित इफ्तार पार्टी ने विवादों को जन्म दे दिया है।

ट्रंप ने अमेरिकी कार निर्माता कंपनियों को चेताया, दाम बढ़ाए तो सजा मिलेगी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी कार निर्माता कंपनियों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर उनके आयातित कार टैरिफ के जवाब में अगर अमेरिकी कंपनियां कीमतें बढ़ाती हैं तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। द वाल स्ट्रीट जनरल अखबार की खबर के अनुसार, ट्रंप ने अमेरिकी वाहन निर्माताओं को टैरिफ के जवाब में कीमतें न बढ़ाने की चेतावनी दी है। ट्रंप ने टैरिफ की घोषणा से पहले देश की कुछ शीर्ष वाहन निर्माता कंपनियों के सीईओ को बुलाकर इस बारे में ताकीद किया कि उन्हें कीमतें नहीं बढ़ानी चाहिए। ट्रंप ने वाहन निर्माता कंपनियों के अधिकारियों से कहा कि व्हाइट हाउस इस पर पूरी नजर रखेगा। अगर किसी कंपनी ने कीमतें बढ़ाईं तो उसे सजा का सामना करना पड़ेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन की इलेक्ट्रिक वाहन नीति को समाप्त करने के लिए आभारी होना चाहिए। मैंने इलेक्ट्रिक-कार उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए सब्सिडी का प्रावधान किया है।

98 वर्षीय गरीब महिला निकली करोड़ों की मालकिन

लंदन। इंग्लैंड के केंट में रहने वाली 98 वर्षीय हिल्दा लेवी को लोग एक गरीब महिला मानते थे। उनके बारे में किसी ने नहीं सोचा था कि वे करोड़ों की मालकिन हो सकती हैं। लेकिन उनकी मृत्यु के बाद जब उनकी वसीयत खोली गई, तो वहां मौजूद सभी लोग हैरान रह गए।

वसीयत में पता चला कि हिल्दा के पास 1.4 मिलियन पाउंड यानी करीब 16 करोड़ रुपये की संपत्ति थी। हिल्दा लेवी की वसीयत में यह साफ किया गया था कि उनकी संपत्ति का बड़ा हिस्सा समाज सेवा में दान किया जाएगा। उन्होंने लगभग साढ़े 5 करोड़ रुपये अपने दोस्तों और कैंटरबरी अस्पताल को दिए। इसके अलावा, करीब 3 करोड़ रुपये लंदन के व्हाइटेबल हेल्थकेयर और मूरीफिल्डस आई हॉस्पीटल के नाम कर दिए। जब यह खबर फैली तो लोग हैरान रह गए कि जिस महिला को वे साधारण और जरूरतमंद समझते थे, वह वास्तव में करोड़ों की मालकिन थी। हिल्दा की जिंदगी के बारे में पड़ताल करने पर पता चला कि वे जर्मनी से इंग्लैंड एक शरणार्थी के रूप में 1930 के दशक में आई थीं। उनके परिवार की मृत्यु होलोकॉस्ट में हो गई थी, और वे अनाथ हो गई थीं। इंग्लैंड में एलन जेफरी नाम की महिला ने उन्हें गोद लिया था और तभी से उन्होंने अपना जीवन वहीं बिताया। वे डॉक्टर फ्रीडरिक और मिसेज़ इर्मा लेवी की बेटी थीं।

काठमांडू में पूर्व राजा ज्ञानेंद्र के समर्थन में शक्ति प्रदर्शन, सुरक्षा का तगड़ा इंतजाम

काठमांडू

नेपाल की राजधानी काठमांडू में पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र के समर्थकों के समर्थन में होने वाले शक्ति प्रदर्शन के दौरान टकराव की आशंका के मद्देनजर सुरक्षा का तगड़ा इंतजाम किया गया है। इस शक्ति प्रदर्शन को नेपाल में राजशाही की वापसी के लिए चल रही मुहिम का बड़ा कदम माना जा रहा है।

राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, नवराज सुवेदी का संयुक्त मोर्चा, अभियान के बड़े नेता दुर्गा प्रसाई, विश्व हिन्दू महासंघ, शिवसेना नेपाल आदि ने समर्थकों से काठमांडू पहुंचकर पूर्व राजा के पक्ष में खड़े होने का आह्वान किया है। के शक्ति प्रदर्शन के कमांडर दुर्गा प्रसाई हैं।

दुर्गा प्रसाई का कहना है कि भीड़ के लिहाज से का प्रदर्शन पूर्व राजा के स्वागत समारोह से कहीं बड़ा होगा। लोग भक्तपुर इलाके से आगे बढ़ते हुए तिनकुने पहुंचेंगे। यहां पर सभा होगी। शक्ति प्रदर्शन को नेपाल पुलिस और नेपाली सेना के कई अवकाशप्राप्त अधिकारियों का समर्थन प्राप्त है।

दूसरी ओर लोकतंत्र समर्थक भी जवाब देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने भी प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। इस प्रदर्शन में माओवादी पार्टी, एकीकृत समाजवादी पार्टी, नेपाल समाजवादी पार्टी, नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी, राष्ट्रीय जनमोर्चा, सहित समाजवादी मोर्चा के कार्यकर्ता और समर्थक हिस्सा लेंगे।माओवादी अध्यक्ष प्रचण्ड ने सुबह ही एक वीडियो संदेश जारी कर शांतिपूर्ण तरीके से जुलूस और प्रदर्शन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पूर्व राजा के समर्थकों की सक्रियता देश के गणतंत्र और संघीयता के लिए खतरा है। माओवादी पार्टी के नेतृत्व में काठमांडू के प्रदर्शनी मार्ग पर बीच सड़क पर मंच बनाया गया है। यहीं पर प्रदर्शनकारी पहुंचेंगे। नेपाली कांग्रेस और एमाले का भी समर्थन है। एमाले के महासचिव शंकर पोखरेल ने माओवादी के नेतृत्व में हो रही गणतंत्र पक्षधर रैली को अच्छा कदम बताया है। इस दौरान नेपाल पुलिस, सशस्त्र प्रहरी बल, दंगा नियंत्रण सुरक्षा बल के लगभग सात हजार कर्मियों की तैनाती की गई है। नेपाल पुलिस के प्रमुख आईजीपी दीपक थापा ने बताया कि टकराव की आशंका की वजह से दोनों पक्षों को निर्धारित स्थानों पर ही प्रदर्शन और जनसभा करने के लिए आगाह किया गया है। राजधानी के सभी संवेदनशील इलाकों में निषेधाज्ञा लागू है। राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री आवास, मंत्रालयों, सिंह दरबार, राज दरबार, सैन्य मुख्यालय, पुलिस मुख्यालय, विमानस्थल जैसे संवेदनशील स्थानों पर लोगों के एकत्र होने, जुलूस और प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है।

थाईलैंड और म्यांमार में भूकंप से इमारतें ढहीं, 10 की मौत, 67 लोग लापता

बैंकॉक (थाईलैंड)

थाईलैंड और म्यांमार में आज दोपहर आए शक्तिशाली भूकंप से भारी अनिष्ट होने की आशंका है। एक बहुमंजिला इमारत समेत तमाम आवासीय भवन रेत के महल की तरह भरभरा गए हैं। अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है। 67 लोग लापता बताए गए हैं। भूकंप का असर भारत तक दिखा है। नई दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कई शहरों में लोगों ने कंपन महसूस किया। थाईलैंड में सेना को राहत और बचाव अभियान शुरू किया है। थाईलैंड के प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न शिनावात्रा अपनी फूकेत की यात्रा अधूरी छोड़कर बैंकॉक लौट रहे हैं।

बैंकॉक के अखबार द नेशन की खबर के अनुसार, अधिकारियों का कहना है कि भूकंप के बाद देश में परिवहन सेवाओं को निलंबित कर दिया गया है। थाई मौसम विज्ञान विभाग ने पुष्टि की कि शुक्रवार दोपहर म्यांमार में 8.2 तीव्रता का भूकंप आया। यह माई होंग सोन प्रांत में पैंग मा फा से लगभग 392 किलोमीटर दूर था। बैंकॉक के बैंग सू क्षेत्र में निर्माणाधीन स्टेट ऑडिट ऑफिस की इमारत ढहने के बाद 67 लोग लापता हैं। सात लोगों को बचा लिया गया है। भूकंप ने बैंकॉक में परिवहन सेवाओं को बाधित कर दिया। बैंकॉक मास ट्रांजिट सिस्टम ने सुखुमविट लाइन पर परिचालन को निलंबित कर दिया और एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने थाईलैंड के सभी हवाई अड्डों के लिए राष्ट्रव्यापी नो-फ्लाई ऑर्डर जारी किया है। बैंकॉक के गवर्नर चाडचार्ट सिट्टीपंट ने बैंकॉक मेट्रोपॉलिटन एडमिनिस्ट्रेशन ऑफिस में भूकंप घटना कमांड सेंटर की स्थापना का आदेश दिया है। भूकंप के कारण बैंकॉक के चतुचक इलाके में निर्माणाधीन 30 मंजिला इमारत ढह गई। प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न शिनावात्रा फुकेत से बैंकॉक लौट रहे हैं। उन्होंने फूकेत से जारी आपदा संदेश में भूकंप प्रभावित लोगों से सतर्क रहने को कहा है। शिनावात्रा ने कहा है कि खतरा टला नहीं है। 24 घंटे के भीतर भूकंप के फिर आने की संभावना है। उन्होंने सभी सरकारी मंत्रालयों में समन्वित प्रतिक्रिया का आदेश दिया है। इसके अलावा देश में सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।

गाजा में इजराइल के हमले में 40 से अधिक लोगों की मौत

मध्य गाजा के एक व्यस्त बाजार पर इजराइली सुरक्षा बलों के ताजा हमले में सात फिलिस्तीनी मारे गए। पिछले 24 घंटों में युद्धग्रस्त क्षेत्र में हमलों में 40 से अधिक लोग मारे गए। संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम ने चेतावनी दी है कि गाजा में हजारों फिलिस्तीनियों के सामने खाद्यान का संकट पैदा हो गया है। फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए काम कर रही संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) का कहना है कि तीन सप्ताह से अधिक समय से कोई सहायता एन्क्लेव में नहीं पहुंची है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में 11 आतंकी मारे गए

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में सुरक्षा बलों ने पिछले 48 घंटे में 11 आतंकवादियों को ढेर कर दिया। पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, केपी के तीन जिलों मीर अली, मीरान शाह और डीआई खान में सुरक्षा बलों का चार जगहों पर सीधा सामना हुआ। सुरक्षा बलों ने बिना कोई नुकसान के आतंकियों को मार गिराया। आईएसपीआर ने जारी बयान में कहा कि उत्तरी वजीरिस्तान जिले के मीर अली क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने खुफिया सूचना पर आधारित अभियान में पांच आतंकवादियों को गोलियों से भून दिया। इसी क्षेत्र दूसरी जगह मुठभेड़ में तीन और दहशतगर्द मारे गए। मीरान शाह क्षेत्र में दो और डेरा इस्माइल खान जिले के दरबान इलाके में एक आतंकवादी का काम तमाम कर दिया गया। इनके पास से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुआ है। सेना की मीडिया शाखा के अनुसार, पिछले हफ्ते उत्तरी वजीरिस्तान जिले के गुलाम खान कल्ले इलाके में अफगानिस्तान से पाकिस्तान में घुसने की कोशिश के दौरान सुरक्षा बलों ने कम से कम 16 आतंकवादियों को मार गिराया था। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद 2021 से पाकिस्तान आतंकवादी हमलों से जूझ रहा है। सबसे ज्यादा हमले खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में हो रहे हैं। जनवरी 2025 से आतंकी हमलों में तेजी आई है।

पाकिस्तान के हाथ से खिसक रहा बलूचिस्तान, विद्रोही हुए मजबूत, 10 हजार महिलाएं सड़कों पर

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के लिए बलूचिस्तान बहुत बड़ा संकट बन गया है। यहां विद्रोहियों की लगातार ताकत बढ़ रही है और पाकिस्तान की टेंशन। इसी बीच बलूचिस्तान में मानवाधिकार कार्यकर्ता महरंग बलूच की गिरफ्तारी के विरोध में 10 हजार महिलाएं सड़कों पर उतरीं हैं।

बलूच विद्रोहियों के अलावा बलूचिस्तान प्रांत में मानवाधिकार कार्यकर्ता महरंग बलूच पाक सेना व सरकार को चुनौती दे रही हैं। इसके चलते बीते हफ्ते पाक सरकार ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। पाकिस्तानी एजेंसियों ने महरंग को कैद कर यह सोचा था कि चुनौती खत्म हो जाएगी, लेकिन अब उनकी गिरफ्तारी के खिलाफ 10 हजार से ज्यादा महिलाएं सड़कें पर हैं। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने आंदोलन को समर्थन दिया है। इसके साथ ही अब बीएलए को आम जनता का समर्थन भी मिल रहा है। इससे स्थिति और गंभीर हो गई है। आंदोलन ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। इस आंदोलन ने युवा-महिलाओं के संगठित कर दिया है। इसके अलावा पाक सेना और सरकार की कठोर प्रतिक्रिया से बलूचिस्तान में हालात संभलने के बजाए बिगड़ते दिख रहे हैं।

जमीनी हकीकत ये है कि बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना की पकड़ अब राजधानी क्वेटा के इर्दगिर्द ही सिमट कर रह गई है। बलूचिस्तान की सड़कों पर अब फबलूच लड़ाकों का सिक्का चल रहा है। हालात ये है कि अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस को अब इस इलाके में कदम रखने के लिए बलूच लड़ाकों से मंजूरी लेनी पड़ती है। सीपैक में काम कर रहे चीनी श्रमिकों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। उन्हें कहा गया है कि वे ग्वादर से बाहर न निकलें। यह दूसरी बार है जब पाकिस्तान को अपने किसी प्रांत में इतनी बड़ी बगावत झेलनी पड़ रही है।

ग्वादर में सशस्त्र विद्रोहियों ने बुधवार को बस यात्रियों को उतारकर गोली मार दी, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई। यह हमला ओरमारा हाईवे पर हुआ। बस कराची जा रही थी। रिपोर्ट के अनुसार, सभी मृतकों का संबंध पंजाब प्रांत से था। उधर, क्वेटा में विद्रोहियों ने आईईडी से पुलिस वैन को निशाना बनाया। इससे दो पुलिसवालों समेत 3 की मौत हो गई जबकि 21 घायल हो गए।

बेबी एडॉप्शन घोटाला: यूं ही बांट दिए दो लाख बच्चे

सियोल। साउथ कोरिया में अजीबोगरीब घोटाला सामने आया है। वहां 2 लाख बच्चों को यूं ही बांट दिया गया। ना सही रिकार्ड, ना सही प्रमाणपत्र, इसे दुनिया में सबसे शर्मनाक बच्चा गोद घोटाला बताया जा रहा है इसकी कहानी जान के आप भी हैरान हो जाएंगे। दक्षिण कोरिया में बच्चा गोद लेने के तरीकों की जांच कर रही जांच टीम ने जब खंगालना शुरू किया तो पता चला कि देश की एजेंसियों ने बच्चों को गोद लेने के लिए विदेश भेजने में जबरदस्त जल्दबाजी दिखाई। इसमें उनकी हेल्थ और मानवाधिकार का भी ख्याल नहीं रखा गया। कई बच्चों के बर्थ रिकॉर्ड में हेराफेरी की गई, बच्चों को अनाथ बताया जबकि उनके माता-पिता पहले से ही थे। जिन्हे बच्चे सौंपे गए, उनके बारे में भी पूरी जांच नहीं की गई। बच्चों को जबरन गोद देने के लिए मजबूर किया गया। जांच में सामने आया कि गोद लेने की प्रक्रिया में शामिल एजेंसियों और अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर जन्म रिकॉर्ड में हेरफेर किया। कई मामलों में बच्चों को अनाथ के रूप में दर्ज किया गया, जबकि उनके माता-पिता जीवित थे। वे नहीं चाहते थे कि उनका बच्चा देश छोड़कर जाए, इसके बावजूद उनसे लेकर लालच देकर बच्चों को छीन लिया गया। कई पेरेंट्स को ये तक बता दिया गया कि उनका बच्चा मर गया है। जबकि वह बच्चा जिंदा था। कुछ को ये कहा गया कि बच्चे को बेहतर देखभाल के लिए भेजा जा रहा है। लेकि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बच्चों को विदेशी परिवारों को सौंप दिया गया। इस प्रक्रिया में बच्चों की पहचान, जन्म तिथि और पारिवारिक इतिहास को बदल दिया गया, जिससे उनकी मूल जड़ों का पता लगाना असंभव हो गया। विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला देश की छवि और नीतियों पर लंबे समय तक असर डालेगा।